Page

कक्षा- 7, 8
विषय - हिन्दी II

वर्ण - विचार

प्रश्न-1 वर्ण किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं?

उत्तर वर्ण वह छोटी से छोटी स्वीकृत ध्वनि है, जिसके और टुकड़े नही किए जा सकते, उसे वर्ण कहते हैं।
जैसे - अ, प, य ऊ आदि।
इसके दो भेद हैं:-
(1) स्वर (2) व्यंजन

प्रश्न-2 स्वर किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं? समझाइए।

उत्तर - स्वर- जिन वर्णों का उच्चारण करते समय मुख से निकलने वाली वायु बिना रूके, मुख से बाहर आ जाती है, उन्हें स्वर कहते हैं।
स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है।
स्वर 11 होते हैं।
अ, आ, इ, ई उ, ऊ ऋ, ए, ऐ ओ, औ
स्वरों के तीन भेद होते हैं:-

1- ह्रस्व स्वर
2- दीर्घ स्वर
3 प्लुत स्वर

Page

1- **ह्रस्व स्वर** – जिन स्वरों के उच्चारण में कम-से-कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं, इनकी संख्या चार है – अ, इ, उ, ऋ। इन स्वरों को मूल स्वर भी कहते हैं।

2- **दीर्घ स्वर** – जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं, इनकी संख्या सात है – आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, इन्हें गुरु स्वर भी कहा जाता है।

3- **प्लुत स्वर** – जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ स्वरों से भी ज्यादा समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं, जैसे- ओ३म्, परन्तु हिन्दी में इसका प्रचलन समाप्त हो गया है।

प्रश्न-3 व्यंजन किसे कहते हैं, इसके भेदों के नाम लिखिए।

उत्तर- **व्यंजन** - जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया किया जाता है तथा जिनका उच्चारण करते समय वायु को मुख में अलग-अलग स्थानों पर रोकना पड़ता है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

व्यंजन के तीन भेद हैं- ① स्पर्श व्यंजन
② अंतस्थ व्यंजन
③ ऊष्म व्यंजन

अन्य व्यंजन - ① संयुक्त व्यंजन
② द्वित्व व्यंजन

Scanned with CamScanner

Date
Page

प्रश्न-4 वर्णमाला किसे कहते हैं?

उत्तर वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्ण माला कहते हैं।

प्रश्न-5 उच्चारण के आधार पर व्यंजन के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।

उत्तर. उच्चारण के आधार पर व्यंजन के दो भेद हैं- ① अल्पप्राण
② महाप्राण

प्रश्न-6 वर्ण-संयोग किसे कहते हैं?

उत्तर वर्णों के परस्पर संयोग को वर्ण-संयोग कहते हैं।
जैसे- ग् + य = ग्य = योग्य

प्रश्न-7 अयोगवाह, अनुस्वार, अनुनासिक और विसर्ग को उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर।- अयोगवाह- 'अं' और 'अः' ऐसी ध्वनियाँ हैं जो न तो स्वर और नही व्यंजन इन्हें अयोगवाह कहते हैं, अयोगवाह का अर्थ है जो योग न होने पर भी साथ रहें।

२- अनुस्वार (ं) जिनके उच्चारण में वायु केवल नासिका (नाक) से निकलती है, उन्हें अनुस्वार कहते हैं
जैसे- पंकज, संगीता आदि।

३- अनुनासिक (ँ) जिनके उच्चारण में वायु

FREEMIND

Date

Page

नासिका तथा मुख दोनों से निकलती है, उन्हें अनुनासिक कहते हैं।
जैसे- साँस, खाँसी, साँवला आदि।

(५) **विसर्ग (:)** - विसर्ग का उच्चारण हल्के रूप से 'ह्' ध्वनि के समान होता है। इसमें वर्ण के आगे दो बिन्दु लगाए जाते हैं।
जैसे — अतः, प्रातः, क्रमशः आदि।

प्रश्न-8 द्वित्व व्यंजन और संयुक्त व्यंजन से बने चार-चार शब्द लिखिए।

उत्तर- द्वित्व व्यंजन से बने चार शब्द -

1. क् + क = धक्का
2. ज् + ज = लज्जा
3. च् + च = बच्चा
4. ट् + ट = मिट्टी

संयुक्त व्यंजन के बने चार शब्द -

1. क् + ष = क्ष = क्षमता
2. श् + र = श्र = श्रम
3. त् + र = त्र = मित्र
4. ज् + ञ = ज्ञ = विज्ञान